वंचित तबके तक पहुँचाएं योजनाओं का लाभ, यही समय है, सही समय है- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम में शिरकत की और कार्यकर्ताओं को दीपोत्सव की शुभकामनाएं दीं

जयपुर, 7 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि दीपावली का पर्व हमें सनातन संस्कृति, विरासत और संस्कारों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है। यह पर्व प्रभु श्रीराम के अयोध्या लौटने की खुशी में मनाया जाता है। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम ने सभी को साथ लेकर चलने का काम किया। हमें भी भगवान श्रीराम के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से प्रेरणा लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के संकल्प के साथ विकसित राजस्थान का सपना साकार करना है।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि दीपावली का पर्व, हमें सनातन संस्कृति, विरासत और संस्कारों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को सांगानेर में आयोजित दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में खुशहाली से ही रामराज्य की परिकल्पना साकार हो सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केन्द्र एवं राज्य सरकार गरीब कल्याण के लिए कार्य कर रही हैं। इसी का परिणाम है कि हाल ही में जारी वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में पिछले 12 वर्षों में 50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को सांगानेर में आयोजित दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय एवं बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के विचार को आत्मसात करते हुए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विगत पौने तीन वर्षों से राजस्थान की जनता की सेवा में एक सेवक के रूप में जुटी हुई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आ ान करते हुए कहा कि राजस्थान को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए 'यही समय है-सही समय है'।

इस अवसर पर उन्होंने सपत्नीक उपस्थित रहकर जनप्रतिनिधियों, भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आत्मीय मुलाकात की और मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली, 07 नवंबर। दीवाली की पूर्व संध्या, छोटी दीवाली के अवसर पर पीएम मोदी ने देशावासियों के नाम एक वीडियो संदेश जारी किया। इस वीडियो के माध्यम से पीएम मोदी ने देशवासियों को दीवाली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं, साथ ही उनके जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की।

इसके साथ ही पीएम मोदी ने दोहराया कि इस बार भी वे जवानों के साथ दिवाली मनाने की अपनी पुरानी परंपरा को जारी रखेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि रोशनी का यह पावन पर्व देश में चारों ओर उत्साह भर देता है और यह बुराई व अंधकार के खिलाफ भारत के मजबूत संकल्प को दर्शाता है।

9 नवम्बर से कैंसर की दवाएं सस्ती होंगी

नई दिल्ली, 07 नवंबर। कैंसर का इलाज करा रहे मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। केन्द्र सरकार ने कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 1000 से ज्यादा ब्रांड की दवाइयों की कीमतें कम कर दी हैं। नई कीमतें 9 नवंबर 2026 से लागू होंगी।

राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण के अनुसार, अब तक 76 दवा कंपनियों ने 1225 दवाइयों की नई कीमतों की जानकारी दी है।

एक लव स्टोरी, जो एक अपनत्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामने यह घोषणा की है कि भारत लोकतंत्र की जननी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ही जोर देकर कहा था कि भारत लोकतंत्र की जननी है।"

केन्द्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने भी सोनिया गांधी पर जवाबी हमला किया। उन्होंने कहा कि नौ राज्यों में कांग्रेस पिछले चालीस वर्षों से सत्ता में नहीं आई है। भाजपा मंत्री ने कहा, "यह वही कांग्रेस है, जिसने आपातकाल लगाया था और लोगों की आवाज़ दबा दी थी।" इसी साक्षात्कार में सोनिया गांधी ने उन बिगड़ती परिस्थितियों का भी जिक्र किया, जिनकी वजह से आपातकाल लगाया गया था। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने बाद में आपातकाल के दौरान हुई ज्यादतियों पर सार्वजनिक रूप से खेद व्यक्त किया था।

उन्होंने कहा, "जब मैं उस दौर को याद करती हूँ और श्रीमती गांधी के नज़रिए से परिस्थितियों को समझने की कोशिश करती हूँ, तो मुझे लगता है कि वे तेजी से बिगड़ते हालात से निपटने के लिए भारी संघर्ष कर रही थीं। उस समय हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहे थे, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक परिवहन के साधनों में आग लगाई जा रही थी, बड़े पैमाने पर संगठित अशांति फैली हुई थी और यहाँ तक कि सरकारी अधिकारियों तथा सशस्त्र बलों से आदेशों का पालन न करने की अपील भी की जा रही थी।"

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आपातकाल लगाने का फैसला अंततः लोकतांत्रिक तरीके से ही सुलझाया गया था। उन्होंने आगे कहा, "आज पीछे मुड़कर देखने से हम उस समय की परिस्थितियों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि खुद श्रीमती गांधी ने ही बाद में हालात को समझा और मार्च 1977 में चुनाव कराने का फैसला किया। आप अच्छी तरह जानते हैं कि उन्होंने बाद में आपातकाल के दौरान हुई ज्यादतियों पर सार्वजनिक रूप से खेद जताया और माफी भी माँगी थी।"

कांग्रेस नेता ने स्वीकार किया कि "राजनीति में कभी-कभी समझौते करना मजबूरी हो सकता है", लेकिन उन्होंने कहा कि उन्होंने और उनकी पार्टी ने "भाजपा और आरएसएस के साथ कभी कोई समझौता नहीं किया है और न ही कभी करेंगे।"

कांग्रेस को 2014, 2019 और 2024 में लगातार तीन लोकसभा चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा और पार्टी अब तक इस गिरावट के रुझान को पलटने में सफल नहीं हो पाई है। पार्टी ने चुनाव आयोग के भीतर कथित अशांति को लेकर "द इंडियन एक्सप्रेस" की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि चुनावों में धांधली की गई है।

कांग्रेस ने मतपत्रों के जरिए दोबारा मतदान कराने की व्यवस्था अपनाने की माँग भी की है।

"द इंडियन एक्सप्रेस" की रिपोर्ट में बताया गया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण, यानी एसआईआर की प्रक्रिया से जुड़े फैसलों और आदेशों पर चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों के दौरान 14 बार आधिकारिक रूप से अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी।

सोनिया गांधी ने दावा किया कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद से, उनकी कांग्रेस पार्टी और अन्य विपक्षी दलों को "समान अवसर नहीं मिले हैं।" गांधी ने कहा, "मैं इतनी निराशावादी नहीं हूँ। इस बात पर विचार कीजिए कि जब से यह सरकार सत्ता में आई है, तब से कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को समान अवसर नहीं मिले हैं। सभी संस्थाओं पर उनका पूर्ण नियंत्रण है, खासकर चुनाव आयोग पर। मुख्यधारा के मीडिया पर उनका नियंत्रण है, उनके पास धनबल है और वे धर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा, "इसके बावजूद हमारी पार्टी संघर्ष कर रही है और आगे बढ़ रही है। वास्तव में, हमारी पार्टी ही ऐसी है, जिसने इस हमले का सामना करने की क्षमता दिखाई है। हमारे कार्यकर्ताओं और नेताओं ने बहुत साहस दिखाया है। उन्होंने हर तरह के उत्पीड़न का सामना किया है, लेकिन इसके बावजूद हर गाँव और हर जिले में कांग्रेसी कार्यकर्ता हमारे संविधान में दिए गए मूल्यों के लिए लड़ रहे हैं। इसके अलावा, हाल के महीनों में यह बात अच्छी तरह साबित हुई है कि कई चुनावों में धांधली हुई है और अब लोग इसके प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं।"

सोनिया गांधी ने कहा कि कांग्रेस समान विचारधारा वाले राजनीतिक दलों के साथ मिलकर काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी की "संभावनाएँ दिन-ब-दिन बेहतर हो रही हैं।" सोनिया गांधी ने संकेत दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साधारण पृष्ठभूमि और उनके चाय बेचने वाले होने की बात को उनकी प्रचार टीम ने शायद बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया हो। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि "मोदी ने निश्चित रूप से एक वंचित पृष्ठभूमि से उठकर आरएसएस के भीतर अपना स्थान बनाते हुए सत्ता तक पहुँचने का सफर तय किया है।" उन्होंने कहा, "यह सच है कि वे बिल्कुल अलग विचारधारा की दुनिया से आते हैं। लेकिन राजनीति में सफल होने के कई तरीके होते हैं। कांग्रेस पार्टी में ही उदाहरण के तौर पर डॉ. मनमोहन सिंह और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को देख लीजिए। मुझे नहीं लगता कि हमें आरएसएस से कुछ सीखने की जरूरत है।"

'जो राम को लाए हैं, वो 2027 में कृष्ण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने भगवान कृष्ण की पारंपरिक त्रिभंग मुद्रा का उल्लेख करते हुए उन्हें तीन जगह से टेढ़ा बताया। उन्होंने बाँसुरी के महत्व पर भी सवाल उठाया और भगवान राम की सीधी मुद्रा तथा धनुष की तुलना में भगवान कृष्ण के स्वरूप को कमतर बताया। बाद में उन्होंने माफी माँगते हुए स्पष्ट किया कि उनकी टिप्पणियाँ संदर्भ के अनुसार थीं। उन्होंने कहा कि राम तथा कृष्ण तो एक ही हैं। विपक्षी नेताओं, खासकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव ने शास्त्री पर धार्मिक भावनाओं का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने उनके कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगाने तथा उत्तर प्रदेश में उनके आयोजनों को रद्द करने की माँग की। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा इस कथावाचक को संरक्षण दे रही है। मथुरा-वृंदावन के धार्मिक नेताओं ने भी उनकी टिप्पणियों की निंदा की। इसके विपरीत, भाजपा और उत्तर प्रदेश सरकार ने, माफी के बाद, इस मामले पर रणनीतिक चुप्पी बनाए रखी तथा इसे अधिक महत्व नहीं दिया। कुछ नेता तो इसे खत्म हो चुका मामला बता रहे हैं। इस बीच, शास्त्री 17 से 20 नवंबर तक प्रतापगढ़ जिले के कुंडा में राजा भैया (रघुराज प्रताप सिंह) की राजभवन हवाई पट्टी पर राम कथा करने वाले हैं। निर्दलीय विधायक के "जनसत्ता दल" की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का विशेष महत्व है। इसे अखिलेश यादव की प्रतिबंध लगाने की माँग के जवाब में शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। साथ ही, यह पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्थानीय प्रभाव बढ़ाने का एक माध्यम भी बन सकता है, जहाँ राजा भैया का अभी भी अच्छा प्रभाव है। इस आयोजन से प्रशासनिक अनुमति का मामला भी जुड़ा है और इससे राजनीतिक माहौल में और ध्रुवीकरण हो सकता है। आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए, भाजपा मथुरा को केन्द्र में रखकर हिंदुत्व के मुद्दे पर लोगों को जोड़ने की रणनीति पर काम कर रही है। इसलिए शास्त्री का यह मामला केवल एक अलग विवादित टिप्पणी का मामला कम तथा बदलते राजनीतिक परिदृश्य का एक हिस्सा अधिक लगता है, जहाँ धर्म, जाति और चुनावी गणित एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

'13629 फीट उड़ुयन इतिहास में नई ऊँचाई'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। इण्डियन एयर फोर्स (आईएएफ) के रूस में बने इल्युशिन आईएल-76एमडी परिवहन विमान ने लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की। वायुसेना के अनुसार, यह इस प्रकार के विमान की दुनिया में अब तक की सबसे अधिक ऊंचाई पर की गई लैंडिंग है।

- भारतीय वायु सेना के रूस निर्मित ट्रांसपोर्ट विमान ने 13629 फीट ऊँचाई पर उड़ान भर कर 13600 फीट पर बने एयरबेस पर लैंडिंग की।

यह एयरबेस समुद्र तल से लगभग 13,600 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और चीन के लगी लाइन ऑफ एक्चुअल कन्ट्रोल (एलएसी) से करीब 25 किलोमीटर दूर है।

वायुसेना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस असाधारण एवं अभूतपूर्व लैंडिंग का वीडियो साझा करते हुए कहा, "13,629 फीट। विमानन इतिहास में एक नई ऊंचाई। भारतीय वायुसेना के आईएल-76एमडी ने न्योमा में सफल लैंडिंग कर इतिहास रच दिया है। यह दुनिया में इस विमान की अब तक की सबसे अधिक ऊंचाई पर हुई लैंडिंग है।"

वायुसेना ने इस चुनौतीपूर्ण लैंडिंग को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए विमान के चालक दल की सराहना की।

कश्मीर व लद्दाख में भारी शीत लहर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। शनिवार को जारी मौसम संबंधी आंकड़ों के अनुसार, कश्मीर घाटी के कई इलाकों में कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है और तापमान शून्य के आसपास या उससे नीचे पहुंच गया है। पुलवामा में न्यूनतम तापमान -0.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पहलगाम में यह शून्य डिग्री और कोकरनाग में 0.2 डिग्री सेल्सियस रहा। श्रीनगर और काजीगुंड, दोनों जगह न्यूनतम तापमान 2.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

लद्दाख में तापमान इससे भी काफी नीचे रहा। लेह में न्यूनतम तापमान -4.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और मौसम विज्ञान केंद्र, श्रीनगर के अनुसार, ठंड बढ़ने की मुख्य वजह साफ आसमान, शुष्क महाद्वीपीय हवाएं और मौसम के स्थिर रहने के कारण रात में धरती की सतह से तेजी से ऊष्मा का निकलना है। एक नया पश्चिमी विक्षोभ 10-11 नवंबर को क्षेत्र में पहुंच सकता है। इसके प्रभाव से 10 नवंबर की शाम से कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है। 12-13 नवंबर को आसमान में बादल छाए रहने का अनुमान है।

- भारतीय मौसम विभाग ने कहा कि आसमान साफ होने, हवा शुष्क होने से ठंड और बढ़ सकती है।

राहुल का दावा, एसआईआर पर "कन्फ्यूज़्ड" है सरकार

अपने दावे की पुष्टि के लिए राहुल ने गृह मंत्री अमित शाह के दो बयानों की वीडियो क्लिप शेयर की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। राहुल गांधी, जो लगभग हर दिन या हर दूसरे दिन "मेरे साथ बहस करें" जैसी चुनौती देते रहते हैं, वे एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके माध्यम से भाजपा से मतदाता सूचियों के स्पैशल इन्टैंसिव रिविज़न (एसआईआर) को लेकर सवाल पूछ रहे हैं। अपने ताजा पोस्ट में, जिसे उन्होंने एक्स पर पिन किया है, गांधी ने दो छोटे वीडियो साझा किए हैं। इनमें से एक पिछले साल का और दूसरा गुरुवार का है। इन वीडियो के जरिए, उन्होंने एसआईआर पर बहस को लेकर सत्तारूढ़ दल के भीतर ही कथित उलझन की ओर इशारा किया है।

पिछले साल 5 दिसंबर के वीडियो में अमित शाह कहते सुनाई देते हैं, "मेरा स्पष्ट मानना है कि इस सदन में एसआईआर पर चर्चा नहीं हो सकती: अगर इस पर चर्चा होती है और कुछ सवाल उठाए जाते हैं, तो उनका जवाब कौन देगा?"

गुरुवार के वीडियो में शाह कहते हैं, "आप मोदी जी को बहस की चुनौती दे रहे हैं, तो सुनिए राहुल जी, इसके लिए मोदी जी की जरूरत नहीं है। हम एसआईआर पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार हैं।" इस पर मुस्कराते हुए राहुल गांधी कहते हैं, "ये लोग कन्फ्यूज़न में आ गए हैं।" अपनी पार्टी के बचाव में उतरे केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी पर आरोप लगाया कि वे "अमित शाह के वीडियो को काट-छांटकर और संदर्भ से हटाकर फैला रहे हैं।"

- गत वर्ष 5 दिसंबर के वीडियो में शाह कह रहे हैं कि एसआईआर पर संसद में चर्चा नहीं हो सकती, क्योंकि सवाल उठे तो जवाब कौन देगा?
- गुरुवार की क्लिप में अमित शाह, एसआईआर पर संसद में विशेष सत्र बुलाने की बात कर रहे हैं।

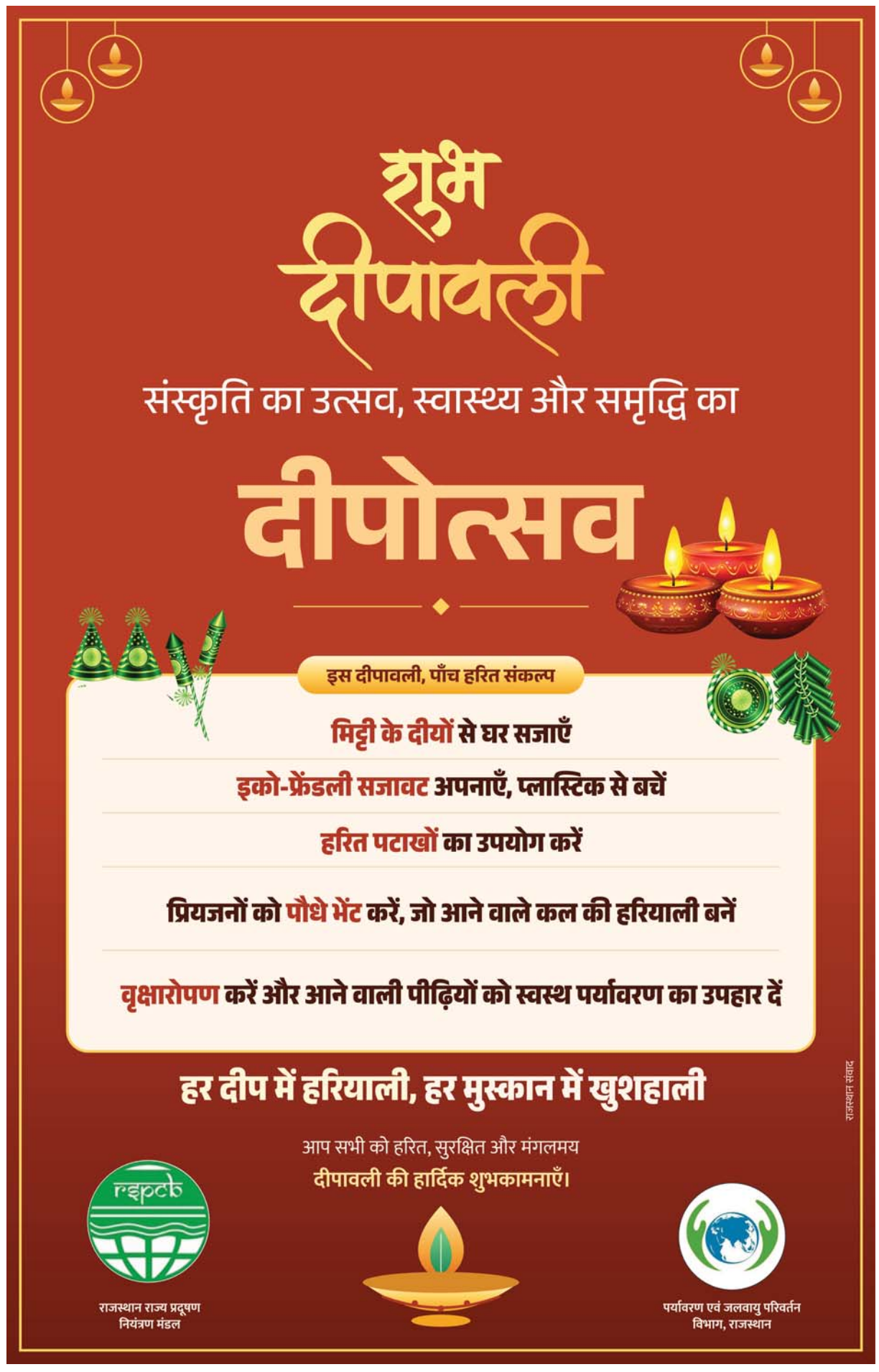
जोशी ने कहा, "गृह मंत्री अमित शाह जी का कटा-छंटा और संदर्भ से हटकर वीडियो प्रसारित करना केवल एक बात दिखाता है-एसआईआर पर राहुल गांधी ने बिल्कुल भी होमवर्क नहीं किया है।"

ज्ञातव्य है कि जोशी ने जुलाई के आखिर में नीट प्रश्नपत्र लीक के मामले और दिल्ली में छात्रों के बड़े पैमाने पर प्रदर्शनों के बीच धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के बाद, हाल ही में शिक्षा मंत्री का पद संभाला है। हालांकि पिछले साल दिसंबर में एसआईआर को लेकर अमित शाह ने जो कहा था, वह राहुल गांधी द्वारा साझा किए गए वीडियो से मेल खाता हुआ प्रतीत होता है। संसद में शाह ने कहा था, "मेरा दृढ़ मत है कि इस सदन में एसआईआर पर चर्चा नहीं हो सकती, क्योंकि एसआईआर का काम भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा किया जा रहा है। भारतीय निर्वाचन आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त सरकार के अधीन काम नहीं करते। अगर इस पर चर्चा होती है और कुछ सवाल उठाए जाते हैं, तो उनका जवाब कौन देगा? जब उन्होंने कहा कि वे चुनाव सुधारों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, तो हमने तुरंत सहमति दे दी। आज चर्चा वास्तव में चुनाव सुधारों पर ही केन्द्रित है।"

ऐसा लगता है कि गृह मंत्री ने चुनाव सुधारों पर चर्चा और एसआईआर के बीच स्पष्ट अंतर रखा है। हालांकि जोशी का मानना है कि राहुल गांधी द्वारा पोस्ट की गई क्लिप के साथ छेड़छाड़ की गई है।

वहीं, इस नवंबर में अमित शाह ने संकेत दिया है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार है। अपनी बात के समर्थन में केन्द्रीय मंत्री ने कांग्रेस नेता को याद दिलाया कि उनकी पार्टी ने तब भी करारी हार का सामना किया था, जब एसआईआर नहीं हुआ था। कांग्रेस 2014, 2019 और 2024 में लगातार तीन लोकसभा चुनाव हार गई थी।जोशी ने कहा, "राहुल जी, भ्रम आपके मन में है, हमारे नहीं! जब आप चुनाव जीतते हैं, तो चुनाव प्रक्रिया स्वीकार्य होती है; लेकिन जब हारते हैं, तो वही प्रक्रिया अचानक सवालों के घेरे में आ जाती है। क्या लोकतंत्र को लेकर आपकी यही समझ है? आपने 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव तब भी हारे थे, जब एसआईआर नहीं हुआ था। क्या आप उन हारों की जिम्मेदारी लेंगे या किसी और को दोष देंगे?" जोशी, जो फरवरी में संसद के बाहर एक प्रैस ब्रीफिंग के दौरान, कांग्रेस नेता के पास आने पर वहां से हटते हुए नज़र आए थे, उन्होंने गांधी पर "राजनीतिक नाटकबाजी" करने का आरोप लगाया और उनसे संसद में आकर तथ्यों के साथ बहस करने को कहा।

उन्होंने कहा, "अब, जब गृह मंत्री अमित शाह जी ने आपको संसद में एसआईआर पर चर्चा की खुली चुनौती दी है और विशेष सत्र बुलाने की पेशकश भी की है, तो फिर हिचकिचाहट क्यों? बहुत हो गई राजनीतिक नाटकबाजी, राहुल जी। अपने तर्क संसद में रखिए और तथ्यों के साथ बहस कीजिए।"



राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908